खण्ड-06 सत्र -03 (भाग-01) / अंक-27

मंगलवार 22 मार्च, 2016 / 02 चैत्र, 1938 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

छठी विधान सभा

तीसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(सत्र-03 (भाग-01) में अंक 27 से अंक 31 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

प्रसन्ना कुमार सूर्यदेवरा

सचिव

PRASANNA KUMAR SURYADEVARA

Secretary

एम.एस. रावत

उप-सचिव (सम्पादन)

M.S. RAWAT

Deputy Secretary (Editting)

दिल्ली विधान सभा
की
कार्यवाही

सत्र-3 भाग (1) मंगलवार, 22 मार्च, 2016/ 02 चैत्र, 1938 (शक) अंक 27

दिल्ली विधान सभा

सदन अपराह्न 12:10 बजे आरम्भ हुआ।

सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची

1	श्री शरद कुमार	13	श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
2	श्री पवन कुमार शर्मा	14	श्री सोमदत्त
3	श्री अजेश यादव	16	सुश्री अलका लाम्बा
4	श्री महेन्द्र गोयल	17	श्री आसिम अहमद खान
5	श्री वेद प्रकाश	18	श्री विशेष रवि
6	श्री सुखवीर सिंह दलाल	19	श्री हजारी लाल चौहान
7	श्री ऋतुराज गोविन्द	20	श्री शिव चरण गोयल
8	श्री विजेन्द्र गुप्ता	21	श्री गिरीश सोनी
9	श्री रघुविंद्र शौकीन	22	श्री जरनैल सिंह (राजौरी गार्डन)
10	सुश्री राखी बिड़ला	23	श्री जरनैल सिंह (तिलक नगर)
11	श्री जितेन्द्र सिंह तोमर	24	श्री राजेश ऋषि
12	श्री राजेश गुप्ता	25	श्री महेन्द्र यादव

26 श्री नरेश बाल्यान
27 श्री गुलाब सिंह
28 श्री कैलाश गहलोत
29 सूश्री भावना गौड़
30 श्री सुरेन्द्र सिंह
31 श्री प्रवीण कुमार
32 श्री मदन लाल
33 श्री सोमनाथ भारती
34 श्रीमती प्रमिला टोकस
35 श्री नरेश यादव
36 श्री करतार सिंह तंवर
37 श्री प्रकाश
38 श्री अजय दत्त
39 श्री दिनेश मोहनिया
40 श्री सौरभ भारद्वाज
41 सरदार अवतार सिंह कालकाजी
42 श्री सही राम
43 श्री नारायण दत्त शर्मा
44 श्री श्री राजू धिंगान
45 श्री मनोज कुमार
46 श्री नितिन त्यागी
47 श्री ओम प्रकाश शर्मा
48 श्री एस.के बग्गा
49 श्री अनिल कुमार बाजपेयी
50 श्री राजेन्द्र पाल गौतम
51 सुश्री सरिता सिंह
52 मो. इशराक
53 श्री श्रीदत्त शर्मा
54 चौ. फतेह सिंह
55 श्री जगदीश प्रधान

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 भाग (1) मंगलवार, 22 मार्च, 2016/ 02 चैत्र, 1938 (शक) अंक 27

सदन अपराह्न 12:10 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय **(श्री राम निवास गोयल)** *पीठासीन हुए।*

(राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम)

सदन पटल पर प्रस्तुत पत्र

अध्यक्ष महोदय : छठी विधानसभा के तीसरे सत्र में मैं आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूं। आपको मालूम है कि यह बजट सत्र है, इसमें उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और बजट पर चर्चा हम आगे आकर करेंगे। आपको अपने विचार प्रकट करने का भरपूर मौका मिलेगा। मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे शीलनता से और कम से कम समय में अपनी बात कहें और सदन का समय व्यर्थ न होने दें। सदन के समय का सदुपयोग करना हमारी प्राथमिकता है। अत: आप सबसे मेरा निवेदन है कि सदन की कार्यवाही में नियमित रूप से तथा शालीनतापूर्वक भाग ले और कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग दें। सचिव, विधान सभा माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी प्रति सदन पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधानसभा : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी प्रति सदन पटल पर प्रस्तुत करता हूं।[1]

[1]पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–15541 पर उपलब्ध।

शोक संवेदना

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यगण, बड़े शोक का विषय है कि वर्ष 1972-77 तथा 1983-90 के दौरान दिल्ली महानगर परिषद के सदस्य रहे श्री मेहताब चन्द जैन का निधन हो गया। श्री जैन दरीबां क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। वे दिल्ली की जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे और सदन में विभिन्न जन समस्याओं को कुशलतापूर्वक उठाते थे। उन्होंने वर्ष 1945 में राजनैतिक क्षेत्र में प्रवेश किया और उनकी पहचार प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में थी। वे कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहे। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से श्री मेहताब चन्द जैन को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर इनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

एक और अत्यधिक दुख का विषय है कि चौथी विधानसभा के सदस्य श्री श्रीकृष्ण त्यागी का गत दिनो में निधन हो गया। श्री त्यागी बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, वे वर्ष 2008 में दिल्ली विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। कृषक परिवार से संबंध रखने वाले श्री त्यागी शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। वे सदन की कार्यवाही में नियमित रूप से भाग लेते थे तथा अपने क्षेत्र की विभिन्न जन समस्याओं को सदन में पुरजोर ढंग से उठाते रहते थे। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से श्री श्रीकृष्ण त्यागी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर इनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

जैसा कि आप सबको विदित है कि सियाचिन ग्लेशियर में तैनात भारतीय सैनिकों की हिमस्खलन से मौत हो गयी। वर्षों से भारतीय सैनिक राष्ट्र की सुरक्षा में वहां तैनात हैं तथा वे कंपकंपाती ठण्ड में अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं।

दिनांक 3 फरवरी 2016 को 10 सैनिक और 16 मार्च 2016 को एक सैनिक

शहीद हो गए। इन सैनिकों की बहादुरी और अदम्य साहस की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है, मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से इन सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर इनके परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अब दिवंगत आत्माओं के सम्मान में सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया जाए।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण)

ओम शांति शांति।

वित्तीय समितियों का चुनाव

अब श्री अरविंद केजरीवाल जी, माननीय मुख्यमंत्री वित्तीय समितियों के लिए निर्वाचन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि दिल्ली विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमों के नियम 192 के उपनियम-2, नियम 194 के उपनियम-2 और नियम 196 के उपनियम-2 के अनुसरण में इस सदन के सदस्य 1 अप्रैल 2016 से आरम्भ होने वाली कार्य अवधि के लिए लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति और सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से नौ-नौ सदस्यों का निर्वाचन करने के लिए अग्रसर होते है।

अध्यक्ष महोदय : यह प्रस्ताव सदन के सामने है :

जो इसके पक्ष में है वे हां कहे,
जो इसके विरोध में है वो ना कहे।
(सदस्यों के हाँ कहने पर)
हां पक्ष जीता, हां पक्ष जीता।
प्रस्ताव पास हुआ।

वित्तीय समितियों के निर्वाचन से संबंधित कार्यक्रम सदस्यों के लिए सदन में अभी वितरित किया जाएगा।

माननीय उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव

अब श्री गोपाल राय, माननीय विकास एवं परिवहन मंत्री उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्तुत करेंगे।

परिवहन मंत्री (श्री गोपाल राय) : धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय। आज माननीय उपराज्यपाल महोदय ने सरकार के उन तमाम कामों का लेखा-जोखा सदन के सामने प्रस्तुत किया है और उस पूरे लेखा-जोखा से जो एक मानचित्र सदन के सामने और पूरे देश के सामने उभरकर आया है कि जब पूरे भारत के अन्दर और पूरी दुनिया के अन्दर विकास के नारों के बीच में चंद लोगों की तिजोरियों का अंबार बढ़ता जा रहा है, वैसे दौरा में दिल्ली सरकार ने पिछले एक साल के दरम्यान एक ऐसे विकास के मॉडल को स्थापित किया है जिसमें विकास ऊपर से नहीं होता है, जिसमें विकास दिल्ली के सबसे आखिरी इंसान के चेहरे पर मुस्कराहट लाने से होता है। इस हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई के नायक महात्मा गांधी ने सपना देखा था कि अगर अपने बारे में सोचना चाहते हो, अगर अपने काम का मूल्यांकन करना चाहते हो तो एक बार पलटकर देखो कि जो भारत का आखिरी इंसान है, उससे उसके विकास का रास्ता खुलता है या नहीं खुलता है। सरकार ने, जो माननीय उपराज्यपाल ने सारे तथ्य सदन के सामने रखे हैं, वो इस बात को इंगित करते है कि ईमानदार सरकार सबके विकास का आधार बन सकती है और माननीय मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने जिस तरह से अपने कदम आगे बढ़ाए है, हमने पिछले बजट में जिस तरह से तमाम अपनी प्राथमिकताओं को लेकर आगे कदम बढ़ाए थे। चाहे वो शिक्षा का क्षेत्र

हो, चाहे वो स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, चाहे वो महिलाओं की सुरक्षा का क्षेत्र हो, चाहे हो विकास का क्षेत्र हो। चाहे वो बिजली का काम हो, चाहे वो पानी का काम हो, इस एक साल के दौरान इस सरकार ने एक ऐसा ताना-बाना बुना है, एक ऐसी नींव रखी है, जो आज़ादी के बाद भारत के अंदर विकास का एक मॉडल चल रहा था, जो ऊपर वालों का विकास करता था इस विकास मॉडल ने एक नींव रखी है जिससे अगले पांच साल में दिल्ली का मॉडल एक ऐसा मॉडल बनेगा, जो जनता के विकास का रास्ता साफ करेगा, स्वराज का रास्ता साफ करेगा। वो नींव और वो ताना-बाना इस सरकार ने एक साल में रखी है। कई लोग पूछ रहे हैं कि एक साल में आप लोगों ने क्या किया? माननीय उपराज्यपाल के माध्यम से सारी तस्वीर दिल्ली के लोगों की और देश के सामने आई है। जिस तरह से शिक्षा के क्षेत्र में न सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए काम तेजी से चल रहा है, स्कूलों को बनाने का काम तेजी से चल रहा है, उसके साथ-साथ उसके कंटेंटे को, शिक्षकों की सोच को, विद्यार्थियों की सोच, उनके चिंतन को, उनके चरित्र को बढ़ाने का काम भी साथ-साथ चल रहा है। न सिर्फ सामान्य शिक्षा के लिए, आईटीआई का जिस तरह से विकास का प्रारूप सरकार ने तैयार किया है, पॉलीटेक्निक के विकास का स्वरूप जिस तरह सरकार ने तैयार किया है, तमाम जो इंजीनियरिंग कॉलेज के विकास का स्वरूप तैयार किया है, तमाम दिल्ली के अंदर शिक्षा के तंत्र को विकसित करने का काम इस सरकार ने जिस मजबूती से शुरू किया है, शायद पूरे हिंदुस्तान के अंदर किसी राज्य में इतने व्यापक दृष्टिकोण के साथ समग्र शिक्षा के विकास का ताना-बाना नहीं है, जिसका प्रारूप सरकार ने एक साल में एक नींव रखी है।

दिल्ली के अंदर स्वास्थ्य को लेकर के जो इस सरकार ने अपना ताना-बाना बनाया है, दिल्ली के अंदर, मौहल्ले के अंदर, एक गरीब एक मौहल्ले के अंदर रहता है, उस मौहल्ले के अंदर अगर उसकी मां बीमार हो जाती है, उसे दर-दर

भटकना पड़ता है। झोला छाप डॉक्टरों को शिकार होना पडता है, जब वो बड़े हॉस्पिटल में जाता है तो बैड नहीं मिलता है, एक-एक बैड पर तीन-तीन मरीजों को सोना पड़ता है और तब भी वो बैड नहीं मिलता है, जमीन पर सोना पड़ता है। इस सरकार ने मौहल्ला क्लीनिक करके पूरे दुनिया के अंदर स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक क्रांति का रास्ता दिखाया है कि एक गरीब भी अगर बीमार पड़ जाये तो उसके घर के बगल में उसका इलाज हो सकता है। ये मौहल्ला क्लीनिक का एक रास्ता दिखाया है। उसके साथ-साथ अगर छोटी-मोटी बीमारी हो तो पॉलीक्लीनिक के माध्यम से उनके सारे इलाज के रास्ते का ताना-बाना सरकार बुन रही है और कई जगहों पर पॉलीक्लीनिक की शुरूआत हो चुकी है। सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल जो लम्बे समय से बिल्डिंगें जंग खा रही थी, उस जंग को भी साफ करके उनकी शुरूआत करने का काम दिल्ली सरकार ने शुरू किया है तो एक समग्र चित्र दिल्ली के लोगों को शिक्षित करने का, दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य में वृद्धि करने का और साथ-साथ ही दिल्ली के जो बच्चे हैं, वो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़े इसका ताना-बाना भी दिल्ली सरकार ने आगे बढ़ाने का काम किया है।

इसके साथ-साथ अध्यक्ष महोदय, उपराज्यपाल महोदय के माध्यम से जो सारी तस्वीर सामने आई है, दिल्ली के अंदर बिजली का जो मसला है, बिजली के दाम आधे करने का काम सरकार ने पूरा किया। पानी को लेकर जिस काम को लोग असम्भव कहते थे, वो काम भी दिल्ली सरकार ने सम्भव किया है एक साल के अंदर। झुग्गी-झोंपड़ियों के नियमितीकरण का रास्ता दिल्ली सरकार ने साफ किया है। साथ ही साथ उद्योगों के विकास के लिए, क्योंकि हम चाहते हैं कि दिल्ली के अंदर आम आदमी का विकास हो, हम चाहते हैं कि पब्लिक का डेवलपमेंट हो, लेकिन हम चाहते हैं कि दिल्ली के अंदर पूंजी का भी विकास हो। हमारा विकास का मॉडल है सहभागी विकास। लोगों का भी विका होना चाहिए, पूंजी

का विकास होना चाहिए क्योंकि अगर दोनों का विकास नहीं होगा ता एकांगी विकास होगा। पूरी दुनिया के अंदर और देश के अंदर जो नीतियां चल रही हैं, वो एक तरफ चलने की कोशिश कर रही हैं लेकन इस सरकार ने एक नया मॉडल विकास का हमारे सामने रखा है। उसके साथ-साथ तमाम सामाजिक न्याय के मुद्दों पर सरकार काम कर रही है। राशन कार्ड जो गरीबों के पेट में अन्न पहुंचाने का एक सबसे बड़ा माध्यम है, उसमें जो घोटाले होते थे, उसमें जो फर्जीवाड़ा होता था, उसमें जो भ्रष्टाचार होता था उस भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए, जिस तह से ऑनलाइन सर्टिफिकेट का काम शुरू किया है। साथ-साथ एक गरीब आदमी के लिए हमारे यहां तंत्र क्या था, वो जिस परिवार में पैदा हुआ, प्रमाण-पत्र चाहिये अधिकारियों के चक्कर लगाओं, जाति प्रमाण-पत्र चाहिये, अधिकारियों के चक्कर लगाओं, जन्म प्रमाण-पत्र चाहिये, अधिकारियों के चक्कर लगाओं, आय प्रमाण-पत्र चाहिये, अधिकारियों के चक्कर लगाओं और कोई भी सिग्नेचर करने को तैयार नहीं होता था। यह जो गुलामी का तंत्र था, गरीबों को, इस सारे तंत्र को खत्म करके इस सरकार ने जो आज़ादी दी है, वो शायद भारत के इतिहास में पहली बार हुआ है कि लोग आज़ाद हुए हैं। आज एक गरीब आदमी को अपनी पहचान बताने के लिए किसी अधिकारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। यह कहने की जरूरत नहीं है, जब संविधान कहता है हम भारत के लोग तो उस समय वो अपनी प्रभुता और गरिमा के साथ कह सकता है कि मैं, मेरा नाम यह है, मैं यहां रहता हूँ और मैं भारत का और दिल्ली का नागरिक हूँ इतना काफी है। यह मानवीय गरिमा आज़ादी के बाद दिल्ली सरकार ने पहली बार ई-गवर्नेंस के माध्यम से स्थापित की है। आज तमाम क्षेत्रों में दिल्ली सरकार ने जिस तरह से काम आगे बढ़ाया है, उन सारे कामों को आगे बढ़ाते हुए आज जिस तरह से लेफ्टिनेंट गवर्नर साहब ने हमारे सामने तस्वीर रखी है, मैं यह बात कहना चाहता हूँ कि सरकार, जिस नींव को रखी है, आगामी बजट के दौरान अगले चरण की तरफ सरकार अपना कदम आगे बढ़ायेगी।

दिल्ली में पर्यावरण को लेकर क्योंकि विकास की दुनिया के सारे पैमानों में, सारे मॉडल में प्रकृति धीरे-धीरे दूर होती जा रही है। प्रकृति को दोहन करके, विकास का जो रास्ता है, एक न एक दिन पूरी दुनिया को विनाश की तरफ ले जायेगा लेकिन दिल्ली सरकार ने जिस तरह से विकास के रास्ते को, आम आदमी के विकास को ध्यान में रखा है, उतनी ही जिम्मेदारी के साथ दिल्ली के अंदर पर्यावराण को बचाने के अभियान को भी दिल्ली सरकार ने आगे बढ़ाया, चाहे वो कार फ्री डे के माध्यम से हो, चाहे वो ऑड इवन के माध्यम से हो और मैं इस बात के लिए पूरे दिल्ली के लोगों को बधाई देना चाहता हूं कि पूरी दुनिया जो कहती थी कि दिल्ली वाले नियम नहीं मानते, पर्यावरण पर नहीं सोचते, नेचर के बारे में नहीं सोचते लेकिन 1 से 15 तारीख तक माननीय मुख्यमंत्री की हिम्मत की वजह से और जिद्द की वजह से दिल्ली के अंदर ऑड इवन जिस तरह से दिल्ली वालों ने सफल किया, पूरी दुनिया आज लोहा मान रही है कि जो काम भारत कर सकता है उस काम को करने में 20 साल लग गये पूरी दुनिया को। 14 देशों ने ऑड इवन अपनाया, 13 देशों में फेल हुआ, एक देश में आधा सफल हुआ लेकिन दिल्ली वो पहला राज्य है, दिल्ली वालों ने जिस तरह से चट्टान की तरह अपनी एकता बनाई और पूरी दुनिया को बता दिया कि भारत वो देश है जो चाहता है वो करके दिखाता है। अगले 15 अप्रैल से दोबारा दिल्ली वालों की मांग पर ऑड इवन आने जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, चाहे वो पर्यावरण हो, चाहे वो शिक्षा हो, चाहे वो स्वास्थ्य हो, चाहे वो झुग्गी वाले हो, चाहे वो महिलाएं हों, चाहे वो देश के सैनिक हों, चाहे हमारे सुरक्षाकर्मी हों, हरेक का विकास दिल्ली सरकार का प्रयास है और उसका मूल सूत्र जो है ईमानदार सरकार सब के विकास का आधार। वहीं वो मंत्र है जिसके आधार पर पैसे को लोग लूट कर, खजाना खाली कर देते थे, उन्हीं पैसों को बचा कर माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह सरकार काम कर रही है

और हमें उम्मीद है कि आने वाला जो बजट है, वो बजट इस कड़ी को और इस कदम को आगे बढ़ायेगा। माननीय उपराज्यपाल महोदय ने आज जिस तरह से सारे तथ्यों को हमारे सामने रखा है, सरकार की सारी कार्य योजनाओं को रखा है, अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूँ कि यह सदन दिनांक 22 मार्च, 2016 को उपराज्यपाल महोदय द्वारा विधान सभा को दिये गये अभिभाषण के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

एक बात और कहना चाहता हूँ कल 23 मार्च है। शहीदे अजम भगम सिंह, राजगुरू, सुखदेव के बलिदान दिवस का दिन है। आज उसके पूर्व दिन पर हम सारे यहां पर अपने काम को याद करने के लिए बैठे हैं। सरकार के सारे चित्र को याद कर रहे हैं। कल हम सब माननीय अध्यक्ष महोदय और सदन के सारे सदस्यों के प्रयास से कल शहीदी दिवस मानने के लिए यहां इकट्ठा होंगे और उन बलिदानों का शायद भारत के इतिहास में पहली बार किसी विधान सभा में हिंदुस्तान के शहीदों के शहीदे आजम का और उनके साथियों के प्रतिमा का अनावरण होने जा रहा है। कल उनको भी हम सलाम करेंगे और कल उनसे ऊर्जा लेकर के जो इस सरकार की यात्रा उन शहिदों के सपनों को साकार करने के लिए शुरू हुई है, अभी तो यह पहला पड़ाव है। हमें सोचना भी ज्यादा है और सोचने से ज्यादा करना भी है उस लड़ाई की तरफ आगे बढ़ेंगे। बहत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय : श्री प्रवीण कुमार जी प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री प्रवीण कुमार : धन्यवाद आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से माननीय एलजी साहब यहां पर आये और उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया दिल्ली सरकार के बारे में। वो लगातार 40 मिनट बोले

जा रहे थे लेकिन दिल्ली सरकार के काम खत्म नहीं हो पा रहे थे। इसके लिए अपने आप में, दिल्ली सरकार इसके लिए काबिले तारीफ है कि जिस तरीके से दिल्ली सरकार ने एक साल में जो काम किए हैं अपने आप में वो बेन्च मार्ग हैं चाहे वह ईवन-ऑड का फार्मूला हो, चाहे वो ईडब्ल्यूएस में निष्पक्ष एडमिशन करने का फार्मूला हो या मेनेजमेंट कोटे की सीटें खत्म करने का फार्मूला हो ये सारे एक साल में जितने काम दिल्ली सरकार ने किये हैं, ये साबित कर दिया है कि दिल्ली सरकार के जो नेता हैं, वो क्रान्तिकारी हैं और सरकार भी बहुत ज्यादा क्रांतिकारी है। अपने आप में ये साबित कर दिया है कि दिल्ली सरकार ने एक साल में जो काम किये हैं, अगल आने वाले चार साल दिल्ली के लिये और दिल्ली वासियों के लिये बहुत सुनहरे दिन होने वाले हैं, इसका मैं दावा करता हूं।

अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से दिल्ली सरकार ने एक साल में काम किया है कुछ बात आपसे शेयर करता हूं मेरी कांस्टिट्यूएन्सी में एग्जाम्पल देकर शेयर करता हूं कि मेरी कांस्टिट्यूएन्सी में इस एक साल में लगभग 10 हजार महिला और बच्चे खुले में शौच जाते थे, ओपन में शौच जाते थे। अध्यक्ष महोदय, लेकिन आज एक साल कम्पलीट होने के बाद मैं यह गर्व के साथ कह सकता हूं कि मेरे कांस्टिट्यूएन्सी में यह दस हजार का फीगर जो है दो हजार पर उतर आया है डी.यू.एस.आई.बी. विभाग ने 80 टॉयलेट बनाये हैं मेरी कांस्टिट्यूएन्सी में कि ये फीगर जो है दस हजार से दो हजार पर उतर आया है और मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले एक साल में दस हजार का फीगर जो है वो जीरो पर बदल जायेगा अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से इस सरकार ने ईब्डल्यूएस कोटे में निष्पक्ष एडमिशन किए हैं, इससे यह साबित होता है कि ये सरकार जो है, वो निष्पक्ष सरकार है और ना ही वो हिंदु, मुस्लिम, सिख ईसाई में भेद करती है, ना ही वो दलित में भेद करती है, ना ही वो महिला और पुरूष में भेद करती है। इस तरह

की निष्पक्ष सरकार जो कि देश को चाहिये थी जो कि दिल्ली को चाहिये थी, वो सरकार दिल्ली वासियों को मिल चुकी है।

अध्यक्ष महोदय, इससे बड़ी बात और कुछ नहीं हो सकती। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से एलजी साहब ने अपने विचार व्यक्त किए और इसके लिये एलजी साहब का भी धन्यवाद और इस प्रस्ताव का मैं पूरी तरह से समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य गण, जैसा कि आप सब जानते हैं कि कल दिनांक 23 मार्च 2016 को शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में विधान सभा परिसर में शहीद भगत सिंह, राजगुरू, शहीद सुखदेव की प्रतिमाओं का अनावरण समारोह आयोजित किया जायेगा। मैं इस अवसर पर कल अपरान्ह चारा बजे आप सबको विधानसभा प्रांगण मे सादर आमंत्रित करता हूं। मैं मीडिया के सभी बंधुओं से भी इस समारोह में सम्मिलित होने का अनुरोध करता हूं। मैं ये समझता हूं कि कार्ड आप सबको विधायकों को मिल गये होंगे। फिर भी किसी को नहीं मिला है तो बाद में मुझसे संपर्क कर लें। हमने 15-15 कार्ड भेजे हैं। दो दो व्यक्ति एक एक कार्ड पर आमंत्रित हैं। अच्छी व्यवस्था यहां की गई है। दो हजार कुर्सिया डाली गई हैं। कार्यक्रम को सफल करना आप सब के कंधों पर है। इस बात का विशेष ध्यान रखें। फिर भी किसी विधायक के साथ कुछ नागरिक ज्यादा आते हैं विधायक गेट पर खड़े होकर वहां व्यवस्था कर देंगें उनको अनुमति दिलवाने का प्रयास करेंगे कि वो अंदर आ सकें लेकिन विधायक को स्वयं जिसके पास कार्ड नहीं है, उसको आइडेंटिफाइ करना होगा कि मेरा अपना संबंधित व्यक्ति है, इसको अंदर आने दिया जाये। ये विशेष रूप से ध्यान रखें कि आने वाले कभी नाराज होकर यहां से ना जायें। इसलिये मैंने ये प्रार्थना की है माननीय सदस्य गण होली आने वाली है, मैं इस अवसर पर आप सबको अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देता हूं एक दो पक्तियों के साथ : -

प्रेम रंग बरसाओं इस होली पर सबसे न्यारा
इंसानियत की खुशबू से महके, महक उठे
हिंदुस्तान हमारा, हिंदुस्तान हमारा।

मैं सभी को ईस्टर पर्व की भी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। अब सदन की कार्यवाही 28 मार्च 2016 को अपराह्न दो बजे तक के लिये स्थगित की जाती है बहुत बहुत धन्यवाद।

(अध्यक्ष महोदय के अदेशानुसार सदन की कार्यवाही 28 मार्च 2016 को अपराह्न दो बजे तक के लिये स्थगित की गई।)

विषय-सूची

सत्र-3 भाग (1) मंगलवार, 22 मार्च, 2016/ 02 चैत्र, 1938 (शक)	अंक 27
क्र. सं. विषय	**पृष्ठ सं.**
1 सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2 सदन पटल पर प्रस्तुत पत्र उपराज्यपाल के अभिभाषण की प्रति	3
3 शोक संवेदना	4-5
(1) श्री मेहताब चंद जैन	
(2) श्री श्रीकृष्ण त्यागी	
(3) सियाचिन ग्लेशियर में हिमस्खलन से भारतीय सैनिकों की मृत्यु पर	
4 वित्तीय समितियों का चुनाव	5-6
5 उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा	6-14